

---

# Shri Devamuraridevacharya Ashtakam

---

## श्रीदेवमुरारिदेवाचार्याष्टकम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Devamuraridevacharya Ashtakam

File name : devamurAridevAchAryAShTakam.itx

Category : deities\_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीदेवमुरारिदेवाचार्याष्टकम्



जनानां मुक्तिदं भक्त्या खरारेजनिकीपतेः ।  
वन्दे देवमुरारि च द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १ ॥

श्रीमदानन्दभाष्यज्ञं रामब्रह्मावबोधकम् ।  
वन्दे देवमुरारि च द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २ ॥

रामानन्दयतीन्द्रस्य धर्माग्मोधेः सुधाकरम् ।  
वन्दे देवमुरारि च द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥

शिष्याणां मन्त्रमालादिदिव्य संस्कारकारकम् ।  
वन्दे देवमुरारि च द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥

सम्प्रदायरहस्यानां भव्यव्याख्यानकारकम् ।  
वन्दे देवमुरारि च द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥

जेतारं वादिवृन्दस्य सिद्धिदं सिद्धभूपतिम् ।  
वन्दे देवमुरारि च द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥

भक्तिदं भुक्तिदं चाथ सीतारामप्रपत्तिदम् ।  
वन्दे देवमुरारि च द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥

श्रीरामतारकं दत्त्वा संसाराम्बुधितारकम् ।  
वन्दे देवमुरारि च द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥

इति श्रीदेवमुरारिदेवाचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on December 8, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

